पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय सीएमएम जबलपुर

कैबिनेट ने 7 सितंबर, 2022 को पीएम श्री नामक एक नई केंद्र प्रायोजित योजना को मंजूरी दी है। ये स्कूल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन को प्रदर्शित करेंगे और समय के साथ अनुकरणीय स्कूल के रूप में उभरेंगे और पड़ोस के अन्य स्कूलों को नेतृत्व भी प्रदान करेंगे। वे अपने-अपने क्षेत्रों में एक समान, समावेशी और आनंदमय स्कूली माहौल में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने में नेतृत्व प्रदान करेंगे जो बच्चों की विविध पृष्ठभूमि, बहुभाषी आवश्यकताओं और विभिन्न शैक्षणिक क्षमताओं का ख्याल रखता है और उन्हें एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के अनुसार अपनी स्वयं की सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाता है।

इस योजना के तहत केंद्र सरकार/राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकार/स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित स्कूलों में से मौजूदा स्कूलों को मजबूत करके 14500 से अधिक पीएम श्री स्कूल (पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) स्थापित करने का प्रावधान है।

जिसके बाद राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की जिम्मेदारी होगी कि वे इन स्कूलों द्वारा हासिल किए गए बेंचमार्क को बनाए रखें। इस योजना का प्रत्यक्ष लाभार्थी 20 लाख से अधिक छात्रों के होने की उम्मीद है। परियोजना की कुल लागत 5 वर्षों की अवधि में 27360 करोड़ रुपये होगी, जिसमें 18128 करोड़ रुपये का केंद्रीय हिस्सा शामिल है। पीएम श्री स्कूल भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक केंद्र प्रायोजित योजना है। इसका उद्देश्य 14,500 से अधिक पीएम श्री स्कूल स्थापित करना है, जिनकी देखरेख केंद्र सरकार, राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारें, स्थानीय निकाय, साथ ही केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) और नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) करेंगे। इन स्कूलों का उद्देश्य प्रत्येक छात्र के लिए समावेशी और स्वागत योग्य माहौल बनाना, उनकी भलाई सुनिश्चित करना और एक सुरक्षित और समृद्ध शिक्षण वातावरण प्रदान करना है। लक्ष्य विविध प्रकार के सीखने के अनुभव प्रदान करना और सभी छात्रों के लिए अच्छे भौतिक बुनियादी ढांचे और उपयुक्त संसाधनों तक पहुंच सुनिश्चित करना है। पीएम श्री स्कूल का व्यापक उद्देश्य छात्रों को इस तरह से पोषित करना है कि वे लगे हुए, उत्पादक और योगदान देने वाले नागरिक बन सकें। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो समानता, समावेशिता और बहुलवाद की विशेषता वाले समाज के निर्माण का प्रयास करता है। ये स्कूल न केवल संज्ञानात्मक विकास को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे, बल्कि 21वीं सदी के प्रमुख कौशल से लैस समग्र और सर्वांगीण व्यक्ति भी तैयार करेंगे। इन स्कूलों में अपनाई जाने वाली शिक्षा पद्धति अधिक अनुभवात्मक, समग्र, एकीकृत, खेल/खिलौना-आधारित (विशेष रूप से आधारभूत वर्षों में), पूछताछ-संचालित, खोज-उन्मुख, शिक्षार्थी-केंद्रित, चर्चा-आधारित, लचीली और आनंददायक होगी। हर कक्षा में हर बच्चे के

सीखने के परिणामों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सभी स्तरों पर मूल्यांकन वैचारिक समझ और वास्तविक जीवन की स्थितियों में ज्ञान के अनुप्रयोग पर आधारित होगा और योग्यता-आधारित होगा। पीएम श्री स्कूल: स्कूल परिवर्तन पर रूपरेखा

- **भाग 1: विजन, मिशन, स्तंभ और चयन पद्धति**
- **भाग 2: कार्यान्वयन और कार्यक्रम संबंधी दिशानिर्देश**

- **भाग 3: स्कूल गुणवत्ता मूल्यांकन रूपरेखा**

डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करना: बेहतर ऑनलाइन सुरक्षा के लिए साइबर सुरक्षा कार्यशाला

नवाचार की खोज: प्रौद्योगिकी और डिजाइन की जानकारी के लिए IIITDM का एक भ्रमण

किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम

Self Defence Training

Mastering the Art of Table Tennis: Techniques, Strategies, and Gameplay